15.7.24

Page 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (औपचारिक-पत्र) पृष्ठ-156
पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण-7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!
आज आपको औपचारिक-पत्र कराया जाएगा।

बच्चो, व्यावहारिक जीवन में लिखने की योग्यता का पहला महत्वपूर्ण कदम पत्र-लेखन में ही होता है। पत्रों के द्वारा हम एक-दूसरे तक संदेश पहुँचाते हैं। पत्रों के माध्यम से हम एक-दूसरे के मन के भाव और विचार, घर-परिवार के समाचार आदि प्रकट किए जाते हैं। पत्र-लेखन एक कला है। इसके लेखन से हम दूसरे का दिल जीत सकते हैं और आपस में मैत्रीपूर्ण संबंध बना सकते हैं।

पत्र दो प्रकार के होते हैं।

* औपचारिक पत्र * अनौपचारिक पत्र

1. औपचारिक पत्र:- औपचारिक पत्र उन व्यक्तियों को लिखे जाते हैं जिनके साथ पारिवारिक संबंध नहीं होते। प्रार्थना-पत्र, सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों को पत्र, संपादक को पत्र, व्यावसायिक पत्र, प्रधानाचार्य को पत्र आदि औपचारिक पत्र कहलाते हैं।

2. अनौपचारिक पत्र:- अनौपचारिक पत्र उन व्यक्तियों को लिखे जाते हैं जिनके साथ व्यक्तिगत तथा पारिवारिक संबंध होते हैं। मित्रों तथा संबंधियों आदि को लिखे जाने वाले पत्र अनौपचारिक पत्र होते हैं।

औपचारिक पत्र का प्रारूप:- नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (औपचारिक - पत्र) पृष्ठ - 156

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी, → जिसे पत्र लिखा जाए / लिखा गया
नगर निगम, 17
चण्डीगढ़। → कार्यालय का नाम व पता

विषय :- पत्र का विषय, उसका संक्षिप्त निर्देश लिखा जाता है।

श्रीमान / श्रीमती → संबोधन
(इसके बाद पत्र की मुख्य विषय - वस्तु के बारे में लिखा जाता है।)

सविनय निवेदन यह है कि - - - - - - - - - - - - - - -
(पहले अनुच्छेद में अपनी समस्या के बारे में बताया जाता है)
- -
- -

(दूसरे अनुच्छेद में अपनी अपेक्षा के बारे में लिखा जाता है।)
- -
- -

धन्यवाद सहित। → पत्र का अंत धन्यवाद देकर किया जाता है।
भवदीय
नाम → पत्र लिखने वाला अपने बारे में पता आदि बताता है।
पता
दिनांक ---- औपचारिक पत्र की अंतिम पंक्ति में दिनांक लिखी जाती है। जैसे :- 11 जुलाई, 2022

इस प्रकार औपचारिक पत्र व्यवस्थित ढंग से लिखा जाता है।
बच्चो, अब मैं गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य :-
अपने क्षेत्र में फैल रहे किसी संक्रामक रोग की सूचना देते हुए स्वास्थ्याधिकारी को एक पत्र लिखिए।
लिंग - पुल्लिंग - स्त्रीलिंग कक्षा में ही कराए जाएँगे।

(अंतिम पृष्ठ - 2)

Scanned with CamScanner